IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429

Volume 6, Issue 2, February 2026

Impact Factor: 8.2

# vu|lfpr tkfr dh efgykvk dh lkekftd pukfr;k

Mk- 'kkgnk flíhdh

,lkfl,V ik/;kid] lekt'kkL=

'kkldh; Bkdj j.ker flg egkfo|ky;] jhok ¼e-i-½

'kk/k lkjk'k ¼&

सामाजिक श्रृंखला की प्रमुख कड़ी महिलाएँ हैं जिनके ऊपर परिवार, समाज, संस्कृति और सभ्यता का परोक्ष और अपरोक्ष भार रहता है जिसके निर्वहन के सपने महिलाएँ हर समय देखती रहती हैं और अपनी क्षमताओं अनुभव के आधार पर उसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध रहती हैं। भले ही यह प्रतिबद्धता वे अभिव्यक्त न करें परन्तु कार्य के दौरान इस चीज का एहसास हर समय होता रहता है। जब पारिवारिक सामाजिक मानकों का निर्वहन किसी भी परिवार में नहीं हो पाता तो सबसे अधिक मायूस घर परिवार को संचालित करने की अहम भूमिका निभाने वाली महिला मायूस और दुःखी होती है। इस तरह महिलाओं के सामने ये कठिनाइयाँ मुह बाये खड़ी रहती हैं जिसके सम्बन्ध में वे न किसी से कह पाती हैं और न ही वे किसी का निदान कर पाती हैं इस आलेख में प्रस्तुत है।

e[; 'kCn ¼&अनुसूचित, जाति, महिलाओं, सामाजिक, चुनौतियाँ, निर्वहन, पारिवारिक, प्रतिबद्धता आदि।